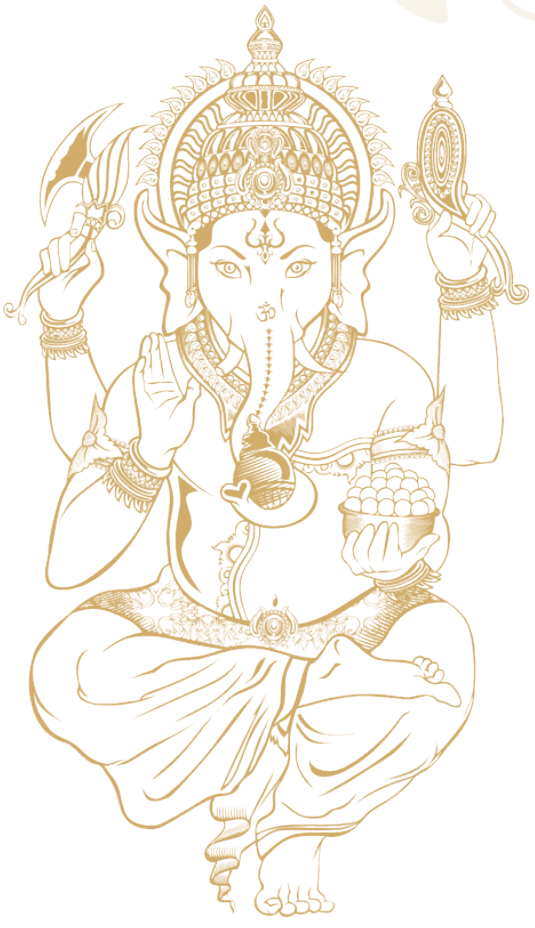

Hardik

15 Jul 2004

09:42 AM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121885207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/07/2004**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:42:00 घंटे**
इष्ट	10:01:33 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:14:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:59 घंटे
साम्पातिक काल	04:47:26 घंटे
सूर्योदय	05:41:22 घंटे
सूर्यास्त	19:26:14 घंटे
दिनमान	13:44:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:05:46 मिथुन
लग्न के अंश	20:03:19 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:03:19	317:35:07	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मिथु	29:05:46	00:57:15	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			मिथु	03:52:32	11:49:57	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	19:30:09	00:37:49	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			कर्क	23:11:02	01:26:14	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	21:38:46	00:10:01	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	19:41:36	00:29:13	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	23:45:16	00:07:46	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मेष	14:30:03	00:09:27	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	14:30:03	00:09:27	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	12:25:13	00:01:32	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	20:39:20	00:01:29	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	26:09:24	00:01:16	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			वृष	19:20:53	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:04

लग्न-चलित

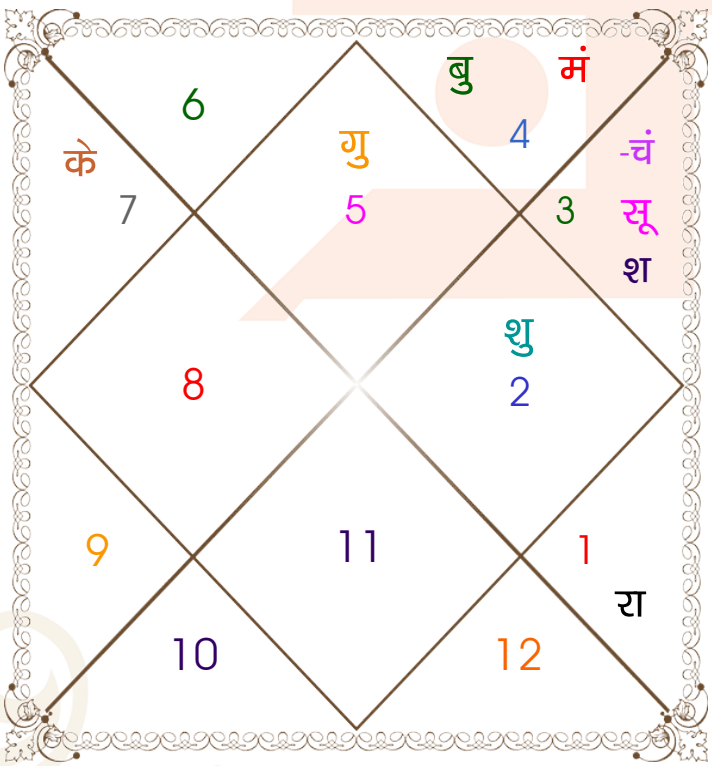

चन्द्र कुंडली

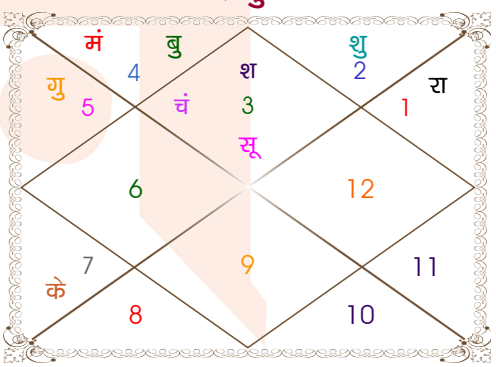

नवमांश कुंडली

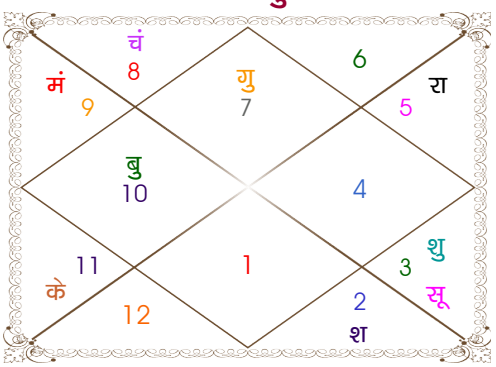

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 5 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/07/2004		01/01/2006		02/01/2024		02/01/2040		01/01/2059	
01/01/2006		02/01/2024		02/01/2040		01/01/2059		02/01/2076	
	00/00/0000	राहु	13/09/2008	गुरु	19/02/2026	शनि	04/01/2043	बुध	30/05/2061
	00/00/0000	गुरु	07/02/2011	शनि	01/09/2028	बुध	14/09/2045	केतु	27/05/2062
	00/00/0000	शनि	14/12/2013	बुध	08/12/2030	केतु	23/10/2046	शुक्र	27/03/2065
	00/00/0000	बुध	02/07/2016	केतु	14/11/2031	शुक्र	23/12/2049	सूर्य	01/02/2066
	00/00/0000	केतु	21/07/2017	शुक्र	15/07/2034	सूर्य	05/12/2050	चंद्र	03/07/2067
	15/07/2004	शुक्र	21/07/2020	सूर्य	03/05/2035	चंद्र	05/07/2052	मंगल	29/06/2068
शुक्र	25/01/2005	सूर्य	14/06/2021	चंद्र	01/09/2036	मंगल	14/08/2053	राहु	17/01/2071
सूर्य	02/06/2005	चंद्र	14/12/2022	मंगल	08/08/2037	राहु	20/06/2056	गुरु	23/04/2073
चंद्र	01/01/2006	मंगल	02/01/2024	राहु	02/01/2040	गुरु	01/01/2059	शनि	02/01/2076

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/01/2076		01/01/2083		02/01/2103		02/01/2109		02/01/2119	
01/01/2083		02/01/2103		02/01/2109		02/01/2119		00/00/0000	
केतु	30/05/2076	शुक्र	03/05/2086	सूर्य	22/04/2103	चंद्र	02/11/2109	मंगल	01/06/2119
शुक्र	30/07/2077	सूर्य	03/05/2087	चंद्र	22/10/2103	मंगल	03/06/2110	राहु	18/06/2120
सूर्य	05/12/2077	चंद्र	01/01/2089	मंगल	26/02/2104	राहु	03/12/2111	गुरु	25/05/2121
चंद्र	06/07/2078	मंगल	03/03/2090	राहु	20/01/2105	गुरु	03/04/2113	शनि	04/07/2122
मंगल	02/12/2078	राहु	03/03/2093	गुरु	08/11/2105	शनि	02/11/2114	बुध	01/07/2123
राहु	20/12/2079	गुरु	02/11/2095	शनि	21/10/2106	बुध	03/04/2116	केतु	27/11/2123
गुरु	25/11/2080	शनि	01/01/2099	बुध	28/08/2107	केतु	02/11/2116	शुक्र	16/07/2124
शनि	04/01/2082	बुध	02/11/2101	केतु	03/01/2108	शुक्र	04/07/2118		00/00/0000
बुध	01/01/2083	केतु	02/01/2103	शुक्र	02/01/2109	सूर्य	02/01/2119		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।